सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 69 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 12 अप्रैल, 2022

मूल्य ₹ 3/-

असफलता तभी आती है जब हम अपने आदर्श, उद्देश्य, और सिद्धांत भूल जाते हैं।
–जवाहरलाल नेहरु

आतंकवाद को खत्म करने पर ध्यान... 2 | योगी सरकार टू का पहला बजट... 3 | बाराबंकी: पिकअप को डीसीएम... 7

विधान परिषद चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक विजय सपा का खाता भी नहीं खुला

योगी के नेतृत्व में फिर भाजपा को मिली शानदार जीत

- माफिया बृजेश सिंह की पत्नी समेत दो निर्दलीय भी जीते चुनाव
- 36 में 33 सीटों पर भाजपा का कब्जा, विधान परिषद में भी मिला बहुमत
- युवा मोर्चे के मेहनती पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष यदुवंश भी जीते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लगातार दूसरी बार काबिज होने वाली भाजपा ने विधान परिषद चुनाव में भी परचम फहरा दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा को शानदार जीत मिली है। भाजपा ने 36 में से 33 सीटों पर कब्जा जमाया है। माफिया बृजेश सिंह की पत्नी समेत दो निर्दलियों ने भी बाजी मारी है जबकि एक अन्य पर जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है। वहीं सपा का खाता भी नहीं खुला। विधान सभा चुनाव में बहुमत हासिल करने के एक महीने बाद भाजपा ने एक और इतिहास रच दिया है। भाजपा ने पहली बार विधान परिषद में बहुमत हासिल कर लिया है। इससे योगी सरकार की ताकत और बढ़ गई है। सरकार अब अपने दम पर दोनों सदनों से विधेयक पारित करा सकती है। स्थानीय निकाय प्राधिकार क्षेत्र से विधान परिषद की रिक्त 36 सीटों में से 33 पर भाजपा ने जीत हासिल कर ली है। 9 सीटों पर भाजपा प्रत्याशी पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके थे। जिन 27 सीटों पर चुनाव हुए थे उसमें 24 और भाजपा प्रत्याशी विजेता घोषित हुए। सपा का एक भी सीट पर खाता नहीं खुल सका।

“ उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनावों में भाजपा की प्रचंड विजय ने पुनः स्पष्ट कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में प्रदेश की जनता राष्ट्रवाद, विकास एवं सुशासन के साथ है।

सीएम योगी आदित्यनाथ

फोटो: सुमित कुमार

पीएम मोदी के क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के तीसरे नंबर पर रहने से हो गयी फजीहत

पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भाजपा प्रत्याशी न केवल हारा बल्कि तीसरे नंबर पर रहा। इससे पार्टी की फजीहत हो गयी। यहां एक बार फिर से बृजेश सिंह का दबदबा कायम रहा। एमएलसी चुनाव में उनकी पत्नी अन्नपूर्णा ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। यहां भाजपा को तीसरा स्थान मिला। अंतिम चक्र की मतगणना में सपा के उमेश यादव को 345, भाजपा के डॉ. सुदामा पटेल को 170 वोट मिले। वहीं, निर्दलीय अन्नपूर्णा सिंह ने 4234 वोट हासिल कर जीत दर्ज की। इसमें 127 कुल निरस्त मतपत्र मिले। 24 वर्ष से बनारस की इस सीट पर केंद्रीय जेल में बंद बृजेश सिंह या उनके परिवार का ही कब्जा रहा है। निवर्तमान एमएलसी बृजेश सिंह के बड़े भाई उदयभान सिंह उर्फ चुलबुल सिंह एमएलसी सीट पर 1998 में एमएलसी बने। दो बार एमएलसी चुने गए और पंचायत चुनाव में उनका दबदबा जगजाहिर ही है। इसके बाद 2010 में बृजेश सिंह की पत्नी अन्नपूर्णा सिंह बसपा के टिकट से इस सीट पर एमएलसी बनी। इसके बाद वर्ष 2016 में बृजेश सिंह मैदान में उतरे तो भाजपा ने उन्हें समर्थन दिया और उनके खिलाफ कोई प्रत्याशी नहीं उतारा था।

सुभाष यदुवंश ने दर्ज की शानदार जीत

भाजपा अब अपने नौजवान नेताओं को आगे बढ़ा रही है। भाजपा जानती है कि युवाओं के आगे आने से उसे नयी पीढ़ी को साधने में सफलता मिलेगी। इसी ख्याल से युवा मोर्चा के मेहनती पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष यदुवंश पर भाजपा ने बस्ती-सिद्धार्थनगर विधान परिषद सीट के लिए दांव लगाया। यहां पर संतोष यादव सनी लड़ रहे थे जो सपा सरकार में मिनी सीएम कहलाते थे। सुभाष यदुवंश ने शानदार मेहनत की और विजय हासिल की। सुभाष यदुवंश ने 4280 वोटों से जीत दर्ज की है जबकि सपा के संतोष यादव सनी को 887 मत प्राप्त हुए। सुभाष यदुवंश संगठन मंत्री सुनील बंसल के बहुत करीबी माने जाते हैं।

जौनपुर से लगातार दूसरी बार जीते बृजेश सिंह प्रिंसू

जौनपुर में लगातार दूसरी बार बृजेश सिंह प्रिंसू एमएलसी बने हैं। उन्हें 3130 मत मिले हैं। पूर्व सांसद धनंजय सिंह के करीबी बृजेश को इस बार भाजपा ने प्रत्याशी बनाया था। वहीं सपा के डॉ. मनोज कुमार यादव को कुल 772 मत मिले हैं।

आजमगढ़ की सभी विधान सभा सीटें जीतने पर भी एमएलसी नहीं जिता पायी सपा

सपा के लिए सबसे हैरान करने वाले परिणाम आजमगढ़ से आए। अपने गढ़ आजमगढ़ की सभी दस विधान सभा सीटें जीतने के बाद भी सपा यहां से अपना एमएलसी प्रत्याशी नहीं जिता सकी। यहां सपा प्रत्याशी राकेश कुमार यादव तीसरे स्थान पर रहे। उन्हें महज 356 मत मिले। आजमगढ़-मऊ सीट से भाजपा से निष्कासित पूर्व एमएलसी यशवंत सिंह के पुत्र निर्दलीय प्रत्याशी विक्रांत सिंह रिशू ने जीत दर्ज की है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी को हराया है। विक्रांत सिंह रिशू 4076 मत पाकर विजयी हुए। भाजपा प्रत्याशी व पूर्व विधायक अरुणकांत यादव को 1262 मत मिले। गौरतलब है कि इस सीट पर पहली बार कोई निर्दलीय प्रत्याशी जीता है।

लगातार पांचवीं बार जीते अक्षय प्रताप

रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी ने विधान परिषद चुनाव में प्रतापगढ़ की सीट अपने नाम कर ली है। प्रतापगढ़ के एमएलसी चुनाव में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रत्याशी अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल जी ने 1721 मत पाकर 1107 वोटों से जीत दर्ज की है। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी हरि प्रताप सिंह को 614 मत मिले। तीसरे स्थान पर रहे समाजवादी पार्टी प्रत्याशी विजय यादव को 380 मत मिले। अक्षय प्रताप सिंह ने लगातार पांचवीं बार इस सीट पर जीत दर्ज की है।

चुनाव परिणाम

1- बहराइच-श्रावस्ती से भाजपा की प्रज्ञा त्रिपाठी जीतीं।
2- रायबरेली से भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह जीते।
3- जौनपुर से भाजपा के बृजेश सिंह प्रिंसू जीते।
4- देवरिया-कुशीनगर से भाजपा के रतनपाल सिंह जीते।
5- लखनऊ-उन्नाव से भाजपा के प्रत्याशी रामचंद्र प्रधान जीते।
6- बाराबंकी से भाजपा के अंगद कुमार सिंह जीते।
7- आगरा-फिरोजाबाद से भाजपा के विजय शिवहरे जीते।
8- बलिया से भाजपा के रविशंकर सिंह पप्पू जीते।
9- प्रयागराज से भाजपा के डा. केपी श्रीवास्तव जीते।
10- वाराणसी से निर्दलीय प्रत्याशी अन्नपूर्णा सिंह जीतीं।
11- मेरठ से भाजपा के प्रत्याशी धर्मेन्द्र भारद्वाज जीते।
12- सीतापुर से भाजपा के प्रत्याशी पवन सिंह चौहान जीते।
13- गाजीपुर से भाजपा के प्रत्याशी विशाल सिंह चंचल जीते।
14- मुरादाबाद से भाजपा के प्रत्याशी सतपाल सैनी जीते।
15- आजमगढ़ से निर्दलीय प्रत्याशी विक्रांत सिंह रिशू जीते।
16- गोरखपुर से भाजपा के प्रत्याशी सीपी चंद जीते।
17- सुल्तानपुर से भाजपा के प्रत्याशी शैलेन्द्र प्रताप सिंह जीते।
18- बस्ती से भाजपा के प्रत्याशी सुभाष यदुवंश जीते।
19- फर्रुखाबाद से भाजपा के प्रत्याशी प्रांशुदत्त द्विवेदी जीते।
20 झांसी से भाजपा की प्रत्याशी रमा निरंजन जीतीं।
21- गोंडा से भाजपा के प्रत्याशी अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू जीते।
22- प्रतापगढ़ से जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अक्षय प्रताप सिंह जीते।
23- अयोध्या से भाजपा प्रत्याशी हरिओम पाण्डेय जीते।
24- फतेहपुर से भाजपा प्रत्याशी अविनाश सिंह चौहान जीते।
25- बरेली से भाजपा प्रत्याशी महाराज सिंह चुनाव जीते।
26- सहारनपुर से भाजपा की प्रत्याशी वंदना मुदित वर्मा जीतीं।
27- शाहजहांपुर-पीलीभीत से भाजपा के डा. सुधीर गुप्ता जीते।

आतंकवाद को खत्म करने पर ध्यान लगाए पाकिस्तान : राजनाथ

» रक्षा मंत्री का पाक पीएम शहबाज शरीफ को दो टूक जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका की यात्रा पर गए भारत के रक्षा मंत्री व लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को शुभकामनाएं दी है। साथ ही उन्होंने पीएम शहबाज शरीफ को कहा है कि भारत चाहता है कि वो अपने यहां पर आतंकवाद पर अंकुश लगाएं। उन्होंने ये भी कहा कि पाकिस्तान को चाहिए कि वो अपनी धरती का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए बंद करे। गौरतलब है कि राजनाथ सिंह फिलहाल अमेरिका के पांच दिवसीय दौरे पर वाशिंगटन डीसी में हैं। उनके इस दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच संबंधों को और अधिक मजबूत करना है।

इस बीच पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने सत्ता पर काबिज होने के बाद दिए अपने पहले संबोधन में कश्मीर का राग अलापा था। इसके ही जवाब में राजनाथ सिंह ने भी जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय वार्ता में आतंकवाद का मुद्दा उठना जरूरी है। अमेरिका संग हुई टू प्लस टू वार्ता में भी आतंकवाद के मुद्दे पर बातचीत हुई। उनके मुताबिक इस मुद्दे पर अमेरिका से केवल विचार-विमर्श किया गया। इस पर अमेरिका के

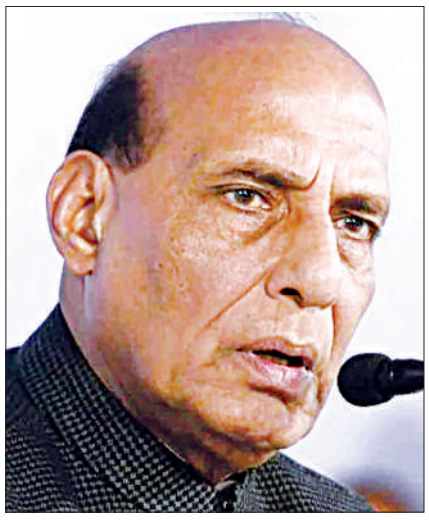

आश्वासन का कोई सवाल ही नहीं है। एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में राजनाथ सिंह ने रूस के बाबत पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि स्पेयर पार्ट्स के लिए भारत रूस पर निर्भर है और हमें इसकी कमी का सामना भी करना पड़ सकता है। लेकिन यदि ऐसा होता है तो भारत उसके लिए भी तैयार है। उन्होंने साफ कहा कि इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ उनकी कोई बातचीत नहीं हुई है। एक अन्य सवाल के जवाब में राजनाथ सिंह ने कहा कि इसमें कोई दोराय नहीं है कि अमेरिका और भारत एक पारंपरिक सहयोगी हैं। भारत सभी देशों के साथ बेहतर संबंध चाहता है।

आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम कर रहा भारत

अमेरिका द्वारा भारत को सस्ती कीमत में डिफेंस सिस्टम मुहैया कराने से बाबत एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कम कीमत का फायदा हमें केवल तभी हो सकता है जब हमें उस सिस्टम की जरूरत हो और हम उसको बनाने में असमर्थ हों। ऐसी स्थिति में ही हम उस सिस्टम को खरीदने की तरफ कदम बढ़ाएंगे। उन्होंने ये भी कहा कि भारत आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम कर रहा है। जहां तक अमेरिका से हुई बातचीत का सवाल है तो इसमें कहीं भी नकारात्मकता दिखाई नहीं देती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि वो अमेरिकी कंपनियों का भारत में स्वागत करते हैं।

अब महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं : अनुप्रिया

» आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका अहम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने में महिलाओं की भूमिका अहम है। महिलाएं आत्मनिर्भर बनेगी तो भारत को आत्मनिर्भर बनने से कोई रोक नहीं सकता। महिलाओं के जीवन को बेहतर व आत्मनिर्भर बनाने के लिए मोदी सरकार की ओर से उज्ज्वला, शौचालय निर्माण सहित कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना में निर्मित घरों की मालकिन भी महिलाएं ही बन रही हैं तथा स्वयं सहायता समूह के माध्यम से उन्हें स्वावलंबी बनाया जा रहा है। यह बातें केंद्रीय मंत्री ने बड़ा लालपुर स्थित दीनदयाल हस्तकला संकुल में एसोसिएशन आफ इनर व्हील क्लब इन इंडिया के तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभारंभ करते हुए कही।

अनुप्रिया ने कहा कि बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओं कोई स्लोगन नहीं है, बल्कि सरकार इस पर गंभीरता से काम कर रही। सरकार की योजनाओं से महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ है तभी तो सरकार के कार्यों का मूल्यांकन करते हुए बड़ी संख्या में महिलाएं मोदी को वोट करने के लिए घरों से निकलीं। उन्होंने कहा कि विश्व महिला दिवस पर राष्ट्रपति भवन में नारी शक्ति पुरस्कार का श्रीगणेश इस उद्देश्य से किया गया कि महिलाओं को बेहतर बनने के लिए प्रोत्साहन मिले और वह रोल माडल बनकर देश के सामने आएं। कहा कि परिवर्तन की शुरूआत खुद से, होती है। अब महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।

भाजपा के संसदीय बोर्ड में शामिल हो सकते हैं योगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जल्द भाजपा संसदीय बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया जा सकता हैं। उत्तर प्रदेश में योगी के नेतृत्व में भाजपा की प्रचंड जीत और योगी की लोकप्रियता के मद्देनजर पार्टी उन्हें संसदीय बोर्ड में शामिल करने पर विचार कर रही है। बोर्ड में शामिल होने के बाद योगी का भाजपा की राजनीति में कद बढ़ेगा।

11 सदस्यी संसदीय बोर्ड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गड़करी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष सदस्य हैं। बता दें कि पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली, पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के निधन, वेंकैया नायडू के उपराष्ट्रपति नियुक्त होने और राज्यसभा में नेता थावरचंद गहलोत की सेवानिवृत्ति के बाद से बोर्ड में चार पद खाली है। सूत्रों के मुताबिक योगी के साथ असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व को भी बोर्ड में शामिल किया जा सकता हैं।

बेपरवाह नौकरशाही राज्य के हित में अच्छी नहीं : हरीश रावत

» नौकरशाही को लेकर हरीश रावत ने दी सीएम धामी को सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत (हरदा) ने कहा कि प्रदेश में नौकरशाही को मार्ग दर्शन की जरूरत है। मुख्यमंत्री हो या मंत्री उन्हें एक बात समझनी पड़ेगी कि नौकरशाही से संवाद समाचार पत्रों के जरिए नहीं होता। यदि आपको संवाद करना है तो आपको फाइल में, मंत्रिमंडल के निर्णयों में, जहां आप निर्माण कार्य कर रहे हैं या कोई निर्णय कर रहे हैं, उस स्थल पर जाकर नेतृत्व देना पड़ता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि आप सामने से नेतृत्व कर रहे हैं तो निश्चित रूप से नौकरशाही आपका अनुकरण करेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य में इस समय नौकरशाही की स्थिति चिंताजनक है। सचिव स्तर पर निर्णय लेने वाले लोग घट रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पिछले कुछ दिनों से एक अदद प्रमुख सचिव वित्त या सचिव वित्त की अपने मन में तलाश कर रहे हैं। इसके लिए एक या दो नाम टकरा रहे हैं, लेकिन उन नामों में निर्णायक रूप से

मन ठहर नहीं रहा है। राज्य के सामने कुछ गंभीर चुनौतियां हैं। सबसे बड़ी चुनौती है वित्तीय संसाधनों के बढ़ाने की। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार में एक जबरदस्त दस्तक दी, तो मैंने भी शाबाश कहा। प्रदेश सरकार को संसाधन बढ़ाने के लिए बहुत सारे उपाय करने होंगे, लेकिन सरकार में इस तरह की कोई सोच दिखाई नहीं दे रही है। पूर्व सीएम ने कहा कि तत्कालीन सरकारों ने राज्य की नौकरशाही के सहयोग से बहुत उल्लेखनीय तरीके से पूरा किया। यदि लिस्ट थोड़ी लंबी होगी तो हो सकता है दो भागों में वह इस तरीके के कार्यों का उल्लेख करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि वह न अनावश्यक रूप से नौकरशाही के निंदक हैं और न प्रशंसक। बेपरवाह नौकरशाही राज्य के हित में अच्छी नहीं होती है और इस समय बहुत सारे नौकरशाह जो सत्ता के नजदीक हैं, बेपरवाह दिखाई दे रहे हैं।

उत्तराखंड में कांग्रेस के युवा नेतृत्व को मजबूत करेंगे माहरा

» माहरा को उत्तराखंड कांग्रेस की मिली कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का पद अभी तक खाली है। वहीं उत्तराखंड में माहरा टीम बनाने में जुट गए हैं। विधानसभा चुनाव में हार होने के बावजूद कांग्रेस के युवा नेता जीते गए हैं। दिग्गज नेताओं को किनारे कर कांग्रेस पार्टी हाईकमान ने करण माहरा को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। माहरा को उत्तराखंड कांग्रेस की कमान सौंप कर हाईकमान ने युवा पांत पर भरोसा करने का संदेश दिया है।

रानीखेत विधानसभा से तीसरी बार चुनाव लड़ रहे करण माहरा को इस बार हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद भी हाईकमान ने प्रदेश अध्यक्ष बनाकर उनके कद को बढ़ाया है। अल्मोड़ा जिले की रानीखेत विधानसभा सीट से महरा दो बार विधायक चुने गए।

2007 और 2017 के चुनाव में जीत कर विधायक बने, लेकिन इस बार उन्हें हार मिली। बता दें कि कांग्रेस हाईकमान ने प्रदेश अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष और उप नेता प्रतिपक्ष के नाम की घोषणा की थी। ऐन चुनाव से पहले कांग्रेस में गए भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे यशपाल आर्य के नाम का एलान नेता प्रतिपक्ष के तौर पर किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को खटीमा में शिकस्त देने वाले विधायक भुवन कापड़ी सदन में उप नेता प्रतिपक्ष बनाया गया।

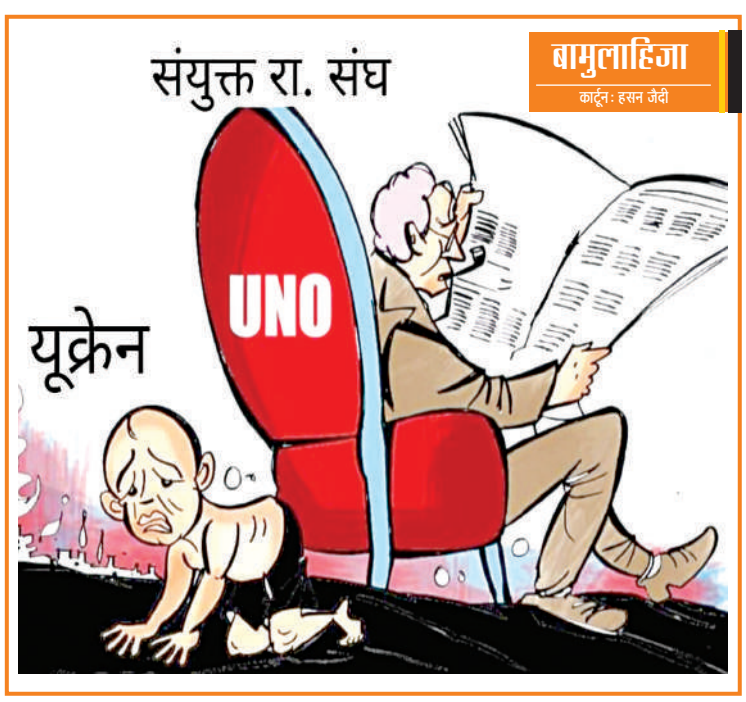

थानों से 60 दिन में हटेंगे जब्त वाहन : अवस्थी

» अपर मुख्य सचिव गृह ने दिए कई कड़े निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानून-व्यवस्था के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को और चुस्त-दुरुस्त बनाये जाने तथा थाना परिसर में खड़े जब्त वाहनों को हटवाने के लिए अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने कई कड़े निर्देश दिये हैं। उन्होंने यातायात निदेशालय से हर जिले में यातायात व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए कार्ययोजना मांगी है। कहा है कि सभी थाने में जमा जब्त वाहनों के मामलों का अभियान चलाकर कोर्ट से अनुमति लेकर निस्तारण कराया जाए।

जिलों के पुलिस अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि 60 दिनों में थाना प्रांगण में कोई भी जब्त वाहन न रहे। यदि ऐसे

वाहनों का समयबद्ध निस्तारण न हो सके, तो ऐसे वाहनों के लिए प्रशासन के सहयोग से अलग स्थान चिन्हित किया जाये और वाहनों को वहां रखवाया जाये। अवस्थी ने यूपी 112 की पीआरवी के माध्यम से पेट्रोलिंग की व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए सभी पुलिस आयुक्तों व जिलों के एसपी को समीक्षा कर जिलेवार कार्ययोजना बनाकर जल्द उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। खनन, शराब, पशु, वन व भू-माफिया को गैंगेस्टर एक्ट में चिन्हित कर जिला व पुलिस प्रशासन की संयुक्त रिपोर्ट भी मांगी गई है। प्रत्येक थाने के टाप 10 अपराधियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने तथा उन पर सतर्क दृष्टि रखने का निर्देश भी दिया है।

अपर मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना कार्यवाही समाप्त

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपर मुख्य सचिव आयुष विभाग उत्तर प्रदेश प्रशांत त्रिवेदी के खिलाफ अवमानना नोटिस वापस ले ली है। कोर्ट ने याचिका दाखिल दफ्तर करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने आल इंडिया डाक्टर्स एसोसिएशन व डॉ. परवाज उलूम की अवमानना याचिका पर दिया है। याचिका में त्रिवेदी पर 18 फरवरी 2021 को पारित आदेश की अवहेलना करने का आरोप लगाया गया था।

योगी सरकार टू का पहला बजट मई में लाने की तैयारी!

लोक कल्याण संकल्प पत्र में शामिल बिंदुओं पर भी होगा काम

» किसान, गरीब और रोजगार के अलावा बजट में केंद्रीय योजनाओं पर भी रहेगा फोकस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार अपनी दूसरी पारी का पहला बजट मई में लाने की तैयारी कर रही है। विधान मंडल का बजट सत्र मई के तीसरे हफ्ते में शुरू हो सकता है। सरकार भाजपा के लोक कल्याण संकल्प पत्र को पहले बजट से ही अमली जामा पहनाने में जुटेगी। बजट में केंद्रीय योजनाओं पर भी फोकस बरकरार रहेगा। वैसे तो योगी सरकार वित्तीय वर्ष 2022-23 के पहले चार महीनों के खर्च के लिए लेखानुदान पारित करा चुकी है लेकिन सूत्रों का कहना है कि शीर्ष स्तर से निर्देश दिया गया है कि जब सरकार वही है, उसकी प्राथमिकताएं भी वही हैं और अफसर भी वही तो लेखानुदान की अवधि का इंतजार क्यों किया जाए।

बजट जल्दी लाकर सरकार के एजेंडा को आगे बढ़ाया जाए। लिहाजा वित्त विभाग बजट की तैयारियों में जुट गया है। उसने सभी विभागों से 20 अप्रैल तक बजट प्रस्ताव मांगे हैं। सरकार की निगाहें दो साल बाद होने वाले लोकसभा चुनाव पर हैं इसलिए दूसरी पारी के पहले बजट से ही सरकार लोक कल्याण संकल्प पत्र में किये गए वादों को साकार करना चाहेगी। योगी सरकार ने मुफ्त राशन की सुविधा को तीन माह के लिए बढ़ाया है। बजट में इसकी व्यवस्था की जाएगी। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मुफ्त रसोई गैस सिलिंडर के तोहफे के लिए भी सरकार पहले बजट में आवंटन कर सकती है।

केंद्र की योजनाओं के जरिए किसानों को बनाएंगे सशक्त

देश में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और अन्य योजनाएं करोड़ों किसानों को नई ताकत दे रही हैं। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभ किसानों को मिल रहा है। वहीं प्रदेश की कई योजनाओं से किसान लाभान्वित हैं। इससे साफ है कि बजट में किसानों पर भी फोकस रहेगा क्योंकि प्रदेश के सशक्त किसान समृद्ध राष्ट्र की कुंजी हैं। किसान जब सशक्त बनेंगे तो ही भारत और समृद्ध बनेगा। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि देश में 11.3 करोड़ किसानों को योजनाओं से सीधे लाभ हुआ है, जिसमें 1.82 लाख करोड़ रुपये सीधे उनके खाते में स्थानांतरित किए गए हैं। इसके अलावा पीएम किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को 6,000 रुपये की वार्षिक मदद मिली है जबकि 1.30 लाख करोड़ रुपये की राशि कोरोना महामारी के दौरान हस्तांतरित की गई है। इसका लाभ विशेष रूप से छोटे किसानों तक पहुंचा है।

प्रदेश के शहर भी चमकेंगे, बढ़ेगा बजट

उत्तर प्रदेश के शहरों को संवारने की तैयारी है। फिलहाल नगरीय निकायों में सुविधाओं को बेहतर करके शहरों को सुंदर बनाने का आदेश दिया गया है। नगर निगमों, मिशन अमृत के तहत चयनित नगर पालिका परिषदों व जिला मुख्यालय की नगर पालिका परिषदों को चमकाने के लिए 15 अप्रैल से 15 जून तक विशेष अभियान चलेगा। इस दौरान शहरों की साफ-सफाई के साथ ही तय 12 बिंदुओं पर अमल किया जाना है। कहा जा रहा है कि मई में आने वाले बजट में शहर की सफाई व्यवस्थाओं पर भी जोर रहेगा। इसके लिए बजट भी बढ़ेगा।

परियोजनाओं को रफ्तार देना सरकार की प्राथमिकता

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना कह चुके हैं कि बजट का फोकस बुनियादी ढांचे के विकास, किसानों, रोजगार और स्टार्टअप पर होगा। अधूरी एक्सप्रेसवे, मेट्रो रेल तथा जेवर व अयोध्या एयरपोर्ट परियोजनाओं के लिए धनावंटन कर उन्हें रफ्तार देना सरकार की प्राथमिकता होगी। केंद्र के बजट में घोषित की जा चुकी पीएम गतिशक्ति योजना का भी उत्तर प्रदेश सरकार ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने की कोशिश करेगी। संकल्प पत्र में किए गए वादे के मुताबिक किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली की सुविधा मुहैया कराने के लिए बजट में संसाधनों का इंतजाम हो सकता है। गंगा नदी के किनारे पांच किलोमीटर के दायरे में जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए भी बजट आवंटन हो सकता है। हर घर नल परियोजना को तेजी से क्रियान्वित करने के लिए भी बजट में संसाधनों का इंतजाम होगा।

तो शिवपाल की राह चलेंगे आजम बनाएंगे सपा से दूरी!

» करीबी के बयान से सियासी गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म

» कई मुद्दों को लेकर आजम खां का खेमा जता रहा है नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । चाचा शिवपाल यादव के बाद अब अखिलेश यादव को आजम खां के समर्थकों की नाराजगी का भी सामना करना पड़ रहा है। सीतापुर जेल में बंद आजम खां के करीबी और मीडिया सलाहकार फसाहत अली ने अखिलेश यादव पर आरोप लगाया है कि उन्होंने आजम खान के लिए न तो संसद में और न ही विधान सभा में आवाज उठाई। इस बयान के बाद यूपी के सियासी गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। कहा तो यह भी जा रहा है कि शिवपाल की तरह ही आजम खान भी अखिलेश यादव से दूरी बना सकते हैं।

यह चर्चा तब गर्म हुई जब रामपुर में पार्टी की बैठक में फसाहत अली ने कहा कि चुनाव के दौरान सीएम योगी ने ठीक कहा था कि अखिलेश यादव नहीं चाहते कि आजम खां जेल से बाहर आएं। आजम के कहने पर रामपुर ही नहीं आस-पास की कई सीटों पर मुसलमानों ने सपा को वोट दिया लेकिन हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुसलमानों का पक्ष नहीं लिया। आजम के लिए आवाज भी नहीं उठाई। आजम दो साल से जेल में बंद हैं लेकिन अखिलेश यादव एक बार ही उनसे मिलने गए। उन्हें विपक्ष का नेता भी नहीं बनाया गया। आजम खान मौजूदा समय में रामपुर से विधायक है। अब सियासी गलियारों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि सपा के दिग्गज नेता आजम खान का खेमा पार्टी से नाराज है। यह नाराजगी इस हद तक बढ़ चुकी है कि खां पार्टी छोड़ने पर भी विचार कर सकते हैं। फिलहाल, वह रामपुर से सपा विधायक हैं और सीतापुर जेल में बंद हैं। उन्होंने जेल से ही 2022 विधान सभा चुनाव लड़ा था। खास बात यह है कि आजम खेमे की नाराजगी की खबर ऐसे समय में सामने आई है, जब प्रगतिशील समाजवादी पार्टी-लोहिया के प्रमुख शिवपाल यादव और सपा के बीच तनाव जारी है। यहां भी अटकलें लगाई जा रही हैं कि वे सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का रुख कर सकते हैं।

गौरतलब है कि सपा से आजम खां को मई 2009 में 6 सालों के लिए निकाला गया था लेकिन दिसंबर 2010 में उनका निष्कासन वापस ले लिया गया और वे दोबारा पार्टी का हिस्सा बन गए। उन्होंने फिरोजाबाद के चुनाव में अखिलेश की पत्नी डिंपल यादव के खिलाफ प्रचार भी किया था। वह चुनाव हार गई थीं। इसके बाद मुलायम उन्हें मनाने के लिए रामपुर आए थे। इसके अलावा सपा सांसद शफीकुर रहमान बर्क के बयान ने भी उथल-पुथल मचा दी है। उन्होंने शनिवार को कहा था कि वह अपनी पार्टी के काम से खुश नहीं हैं, जो मुसलमानों के लिए पर्याप्त काम नहीं कर रही। सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने आरोप लगाया था कि सपा मुसलमानों के लिए पर्याप्त काम नहीं कर रही है।

ताकतवर नेता हैं आजम

आजम साल 1980 से ही रामपुर सीट से जीत रहे हैं। हालांकि, उन्हें एक बार 1996 में कांग्रेस के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। पत्नी तजीन फातिमा पूर्व विधायक और पूर्व राज्यसभा सांसद हैं। वहीं, बेटे अब्दुल्ला आजम खान ने रामपुर में स्वार सीट से चुनाव जीता है। 2019 में जब आजम ने रामपुर लोक सभा सीट जीतने के बाद रामपुर सीट छोड़ दी थी। उस दौरान फातिमा ने यहां से जीत दर्ज की जबकि, 22 मार्च को आजम खान ने विधान सभा सीट बचाने के लिए रामपुर लोक सभा सीट से इस्तीफा दे दिया।

समर्थक हैं नाराज

आजम समर्थकों का मानना है कि विस टिकट में भी आजम समर्थकों का अखिलेश ने ख्याल नहीं रखा। बदायूं से आबिद रजा जैसे नेता जिनकी जीत तय मानी जा रही थी, उनका पत्ता साफ कर मुंबई में काम कर रहे बिल्डर को टिकट थमा दिया। वहीं आजम समर्थकों को बरेली में भोजीपुरा के विधायक शहजिल इस्लाम के खिलाफ मुकदमे और उनके पेट्रोल पम्प पर की गई कार्रवाई में अखिलेश की चुप्पी भी रास नहीं आ रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नए वैरिएंट की दस्तक खतरे की आहट

"चीन में हाहाकार मचाने वाले कोरोना के नए वैरिएंट एक्सई ने अब भारत में दस्तक दे दी है। मुंबई और गुजरात में इससे संक्रमित मरीज मिले हैं। वहीं दिल्ली और हरियाणा में संक्रमितों की दर में अचानक आए उछाल ने टेंशन बढ़ा दी है। सरकार ने एक बार फिर लोगों को सतर्कता बरतने की चेतावनी दी है। वहीं विशेषज्ञ चौथी लहर की आशंका जताने लगे हैं।

चीन में हाहाकार मचाने वाले कोरोना के नए वैरिएंट एक्सई ने अब भारत में दस्तक दे दी है। मुंबई और गुजरात में इससे संक्रमित मरीज मिले हैं। वहीं दिल्ली और हरियाणा में संक्रमितों की दर में अचानक आए उछाल ने टेंशन बढ़ा दी है। सरकार ने एक बार फिर लोगों को सतर्कता बरतने की चेतावनी दी है। वहीं विशेषज्ञ चौथी लहर की आशंका जताने लगे हैं। सवाल यह है कि क्या नये वैरिएंट से चौथी लहर का खतरा है? अचानक कुछ राज्यों में कोरोना के केस फिर से क्यों बढ़ने लगे हैं? क्या एक बार फिर पाबंदियों का दौर लागू होगा? क्या कोरोना के साथ ही लोगों को जीने की आदत डालनी होगी? क्या नया वैरिएंट बेहद घातक है? क्या देश की स्वास्थ्य सेवाएं और अर्थव्यवस्था चौथी लहर का सामना करने में सक्षम हैं? क्या लोगों की लापरवाही के कारण हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं?

चीन और कई यूरोपीय देश एक बार फिर कोरोना की चपेट में हैं। सबसे खराब हालत चीन के शंघाई और वुहान शहर की है। यहां लॉकडाउन लगा दिया गया है। शंघाई में सेना को उतार दिया गया है और लोगों के घर से बाहर निकलने पर पाबंदी लगा दी गई है। हालांकि भारत में तीसरी लहर खत्म होने की कगार पर पहुंच चुकी है लेकिन जिस तरह दिल्ली और हरियाणा में संक्रमितों की संख्या में इजाफा हो रहा है, इसने खतरे की घंटी बजा दी है। यूपी के गाजियाबाद और नोएडा में भी संक्रमण बढ़ रहा है। यहां के कई स्कूलों में बच्चे संक्रमित पाए गए हैं। दिल्ली में दैनिक आंकड़ा 150 के करीब पहुंच चुका है। यहां साप्ताहिक मामलों में 26 और हरियाणा में 50 फीसदी की वृद्धि हुई है। ऐसे में नए वैरिएंट एक्सई की दस्तक ने विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। यह ओमिक्रॉन से दस गुना अधिक संक्रमण फैलाता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक कोरोना के बीए-1 और बीए-2 से मिलकर नया एक्सई वैरिएंट बना है। हालांकि अभी इसके घातक होने की पुष्टि नहीं हुई है। सच यह है कि देश में फिर से पांव फैला रहे कोरोना के पीछे लोगों की लापरवाही है। देश में पांबंदियों के खत्म होने के बाद लोगों ने कोरोना प्रोटोकॉल का पालन बंद कर दिया है। अधिकांश लोग न तो मास्क लगा रहे हैं न ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं। इसके कारण संक्रमण फिर से बढ़ने लगा है। जाहिर है केंद्र और राज्य सरकारों को तत्काल कदम उठाते हुए लोगों को कोरोना प्रोटोकॉल के पालन के प्रति जागरूक करना होगा। वहीं टेस्टिंग बढ़ाने के साथ आपातकाल के लिए स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को अलर्ट मोड पर रखना होगा क्योंकि एक और लहर देश की अर्थव्यवस्था को घुटनों पर ला देगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वनाधिकार में ग्रामीण सहभागिता

अशोक भगत

भारतवर्ष में जंगल को कई नामों से जाना जाता है- वन, कानन, अरण्य आदि। वनों को आदि सनातन चिंतन में इतना महत्व दिया गया कि उसके नाम से कई धार्मिक पुस्तकों की रचना की गयी है। सनातन धर्म में चार वेद है, 18 पुराण हैं, छह शास्त्र हैं, कई उपनिषद हैं। आरण्यक ग्रंथों की भी रचना हुई है। उपनिषदों में सबसे महत्वपूर्ण वृहदारण्यक है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि भारतीय सांस्कृतिक जीवन में वनों का महत्व कितना रहा है। बाहरी आक्रमणों ने न केवल हमारे सामाजिक ताने-बाने को ध्वस्त किया है, अपितु हमारे सांस्कृतिक मूल्यों पर भी चोट की। यही कारण है कि वन, गिरी, पहाड़, कानन, समुद्र एवं अरण्य की संस्कृति मानने वालों को आज वनों के संरक्षण की ओर ध्यान देना पड़ रहा है।

भौतिकवादी चिंतकों के बहकावे में आकर हमने अपनी मां समान प्रकृति को बहुत नुकसान पहुंचाया है। जंगलों की क्रूरता के साथ कटाई की गयी। किसी भी भू-भाग में कुल क्षेत्रफल के कम से कम 30 प्रतिशत हिस्से पर प्राकृतिक जंगल होना चाहिए, लेकिन भारत में यह केवल 21.67 प्रतिशत है। झारखंड की स्थिति थोड़ी अच्छी है, लेकिन यहां भी औसत से लगभग तीन प्रतिशत कम यानी 27 प्रतिशत भू-भाग पर ही प्राकृतिक वनस्पति अवस्थित है। पर्यावरण की दृष्टि से कहें तो आज की सबसे बड़ी चुनौती प्राकृतिक वनों को बचाने की है। प्राकृतिक आपदाओं के कारण बड़े पैमाने पर प्राकृतिक वनों में ह्रास हो रहा है तथा कानूनी या गैर-कानूनी तरीके से बड़े पैमाने पर जंगलों की कटाई हो रही है। साथ ही, प्राकृतिक जंगलों को आग के कारण भी भारी नुकसान पहुंच रहा है। यदि जंगलों को आग से बचा लिया जाए, तो नुकसान की आधी से अधिक भरपाई हो जायेगी। जंगलों को आग से बचाने के उपाय जंगलों में या यूं कहें कि ग्रामीण परिवेश में ही छुपे हुए हैं। चढ़ते पारे के साथ झारखंड, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र आदि प्रांतों के जंगलों में आग भड़कने लगती है। कई क्षेत्रों में यह आग रिहायशी इलाकों के करीब पहुंच जाती है। इस आग के कारण जंगली जीव-जंतुओं का भी भारी नुकसान होता है। जंगलों में जान-बूझ कर आग लगाने वाले शरारती तत्व भी बाज नहीं आते हैं। जंगल की आग का एक प्रमुख कारण ग्रामीणों द्वारा घास की अधिक मांग होना माना जाता रहा है, लेकिन यह कारण सिर्फ एक भ्रांति है।

2021 से अब तक जंगल में आग लगने की पांच हजार से अधिक घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिस वजह से

जान-माल की बड़ी हानि हुई है। बता दें कि भारत में औपनिवेशिक काल से पहले लोग वनों का उपभोग भी करते थे और रक्षा भी। अंग्रेजों ने आते ही वनों की कीमत को समझा, जनता के वन पर अधिकारों में कटौती की और वनों का दोहन शुरू किया। जनता के अधिकारों में कटौती की व्यापक प्रतिक्रिया हुई और समस्त वन प्रदेशों में आंदोलन शुरू हो गये। शासन ने दमन नीति अपनाते हुए प्रारंभ में कड़े कानून लागू किये पर लोगों ने इन कानूनों की अवहेलना करते हुए यहां के जंगलों को आग के हवाले करना आरंभ कर दिया। इसके फलस्वरूप शासन ने समझौता करते हुए एक समिति का गठन किया। उत्तराखंड में कुमाऊं फॉरेस्ट ग्रिवांस कमिटी बनायी गयी। 1921 में गठित इस कमिटी का अध्यक्ष तत्कालीन आयुक्त पी विंढम को चुना गया तथा इसमें तीन अन्य सदस्यों को शामिल किया गया। समिति ने एक वर्ष तक पर्वतीय क्षेत्र का व्यापक भ्रमण किया। इसके द्वारा यह सुझाया गया कि ग्रामीणों की निजी नाप भूमि से लगी हुई समस्त सरकारी भूमि को वन विभाग के नियंत्रण से हटा लिया जाए। स्वतंत्र भारत में वनों को लेकर बहुत से नये-नये नियम कानून बनाये गये। वर्तमान में वन प्रदेशों में वन पंचायत, जो पंचायती वनों का संरक्षण और संवर्धन खुद करती हैं, उन्हीं को अधिक शक्ति दिए जाने की आवश्यकता है।

झारखंड में भी वन को बचाने के लिए स्थानीय समितियों का गठन किया गया है। इन समितियों को और अधिक शक्ति देने की जरूरत है। 'डाउन टू अर्थ' पत्रिका में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, विश्व में आदिवासी बहुल क्षेत्र सबसे कम कार्बन उत्सर्जित करते हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि समुदाय के पास जंगल का नियंत्रण रहने से वहां आग भी कम लगती है, क्योंकि उनका घर ही जंगल है और जंगल की रक्षा करना उनके धर्म के साथ जुड़ा हुआ है। यदि जंगल में लग रही आग से निजात पानी है तो वन क्षेत्रों के गांवों की चार किलोमीटर परिधि में जंगलों से सरकारी कब्जा हटा कर उन्हें ग्राम समुदाय को सुपुर्द कर देना होगा। समुदाय ने मिल कर ही मानव जाति का निर्माण किया है और वही इसे एवं अपने पर्यावरण को बचा भी सकता है इसलिए जंगल में निवास करनेवाली जनजातियों को वनाधिकार में सहभागी बना कर आग की समस्या का स्थायी समाधान हो सकता है। लिहाजा वनाधिकार में ग्रामीण सहभागिता बढ़ानी होगी।

इंसानी रगों में दौड़ने लगा है प्लास्टिक

मुकुल व्यास

आज दुनिया के अधिकांश लोगों की नसों में प्लास्टिक के सूक्ष्म कण बह रहे हैं। मानव ऊतकों में सूक्ष्म प्लास्टिक कणों की उपस्थिति के बारे में नवीनतम अध्ययन के नतीजों से अब किसी को हैरान नहीं होना चाहिए। पृथ्वी पर सबसे ऊंचे पहाड़ों से लेकर हमारे शरीर के महत्वपूर्ण अंगों तक कोई ऐसी जगह नहीं बची है जहां प्लास्टिक के प्रदूषक कण नहीं पहुंचे हों। अब हमारे खून में भी इन कणों की उपस्थिति से स्पष्ट है कि प्लास्टिक कचरा आज एक बहुत बड़ा पर्यावरणीय मुद्दा बन चुका है। एनवायरमेंटल इंटरनेशनल पत्रिका में प्रकाशित नई रिसर्च ने मानव रक्त में प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों की उपस्थिति की पुष्टि की है। अध्ययन में 22 लोगों को शामिल किया गया। इनके 80 प्रतिशत नमूनों में सूक्ष्म प्लास्टिक पाया गया। यह पहला अध्ययन है जिसमें यह साबित किया गया है कि सूक्ष्म प्लास्टिक रक्तधारा में पहुंच सकता है।

पिछले अध्ययनों में जानवरों और मानव मल में सूक्ष्म प्लास्टिक पाया गया था। रिसर्चरों को रक्त के कुछ नमूनों में तीन विभिन्न किस्में मिलीं। कुछ मामलों में अत्यंत सूक्ष्म कण मिले। इनमें से कुछ का आकार 0.0007 मिलीमीटर था। अध्ययन के निष्कर्षों से यह सिद्ध है कि सूक्ष्म प्लास्टिक शरीर में घूम कर अंगों में जमा हो सकता है। शरीर पर प्लास्टिक के प्रभाव का पता लगाने के लिए और अनुसंधान की आवश्यकता है लेकिन इस अध्ययन में शामिल रिसर्चरों का कहना है कि प्लास्टिक के कण शरीर की कोशिकाओं को क्षति पहुंचा सकते हैं। पिछले अध्ययनों में पता चला था कि वायु प्रदूषण के कणों के फेफड़ों में पहुंचने से दुनिया में हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। रिसर्चरों को डर है कि सूक्ष्म प्लास्टिक से भी मानव स्वास्थ्य पर ऐसा ही प्रभाव पड़ सकता है। प्लास्टिक प्रदूषण आज दुनिया की एक बहुत बड़ी समस्या है। दुनिया में हर साल करीब 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुंचता है। एक बार जब प्लास्टिक समुद्र में दाखिल हो जाता है तो वह समूचे समुद्री पर्यावरण को प्रभावित करता है। शिकार करने वाली या खुद शिकार होने वाली अनेक समुद्री प्रजातियों के शरीर में सूक्ष्म प्लास्टिक पहुंच चुका है। अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण यूनियन का कहना है कि सूक्ष्म प्लास्टिक की सतह पर जमा विषाक्त रसायन समुद्री जीवों के शरीर में दाखिल हो रहा है। ये विषाक्त पदार्थ जमा होते रहते हैं और खाद्य श्रृंखला का हिस्सा बन कर मनुष्य के शरीर में पहुंच जाते हैं। अभी हाल में हुए एक अध्ययन से पता चला कि एटलांटिक महासागर में सूक्ष्म प्लास्टिक प्रदूषण पिछले अनुमानों से दस गुणा ज्यादा है। नॉर्वे के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए विश्लेषण के मुताबिक प्लास्टिक के कण आर्कटिक में कम से कम एक दशक से प्रसारित हो रहे हैं। जर्मनी के अल्फ्रेड वेगनर इंस्टीट्यूट के रिसर्चरों ने भी अपने अध्ययन में आर्कटिक क्षेत्र में भारी मात्रा में प्लास्टिक की मौजूदगी की पुष्टि की है। उन्होंने चेताया कि यह प्लास्टिक न सिर्फ पर्यावरणीय प्रणालियों को नुकसान पहुंचा रहा है बल्कि जलवायु संकट को भी बढ़ावा दे रहा है। उनका कहना है कि काले रंग के प्लास्टिक कण बर्फ से ज्यादा गर्मी को सोखते हैं और हवा में मौजूद प्रदूषित कणों की अतिरिक्त बारिश होती है। 2020 में किए गए एक अध्ययन में बाजार के उत्पादों में सूक्ष्म प्लास्टिक की मौजूदगी की पुष्टि हो गई थी। मनुष्यों द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले अधिकांश खाद्य उत्पादों के प्लास्टिक से प्रदूषित होने की आशंका है।

पिछले साल किए गए एक अध्ययन में गायों के रक्त में सूक्ष्म प्लास्टिक पाया गया था। नवीनतम अध्ययन में हॉलैंड में एम्सटर्डम स्थित व्रिजे विश्वविद्यालय और एम्सटर्डम विश्वविद्यालय के मेडिकल सेंटर के रिसर्चरों ने 22 स्वस्थ लोगों के खून के नमूनों में सामान्य पोलिमर कणों की जांच की। इनमें से 17 में सूक्ष्म प्लास्टिक का प्रदूषण मिला। आधे नमूनों में पेट प्लास्टिक था जिसका प्रयोग पानी की बोतलों में होता है। वैज्ञानिक डिक वेटाक ने कहा कि हमारे अध्ययन से पहली बार रक्त में पोलिमर की उपस्थिति का संकेत मिला है। दुनिया की प्लास्टिक समस्या से निपटने में जापानी वैज्ञानिकों द्वारा की गई एक खोज से मदद मिल सकती है। उन्होंने 2016 में प्लास्टिक खाने वाले एक अनोखे बैक्टीरिया की खोज की थी। इन वैज्ञानिकों ने एक रिसाइकिलिंग प्लांट के बाहर प्लास्टिक की बोतलें एकत्र करने के बाद उनकी जांच की। उन्होंने पाया कि बैक्टीरिया की एक प्रजाति इन बोतलों को धीरे-धीरे चट कर रही थी। सामान्य तौर पर बैक्टीरिया किसी मृत जैविक पदार्थ के इर्दगिर्द दिखाई देते हैं लेकिन आइडियोनेला सकाइंसिस नामक बैक्टीरिया को एक खास किस्म का प्लास्टिक बहुत भाता है। इस प्लास्टिक को पॉलीथाइलिन टेरिफ्थेलैट (पेट) कहते हैं। वैज्ञानिकों ने इस बैक्टीरिया का विश्लेषण करने के बाद पता लगाया कि यह जीवाणु दो प्रकार के पाचन एंजाइम उत्पन्न करते हैं। ये एंजाइम पेट प्लास्टिक से क्रिया करते हैं और उसकी रासायनिक संरचना को विखंडित कर देते हैं। प्लास्टिक खाने वाले बैक्टीरिया की खोज के बाद अनेक आनुवंशिक वैज्ञानिक इसकी कार्य क्षमता बढ़ाने के लिए प्रयोग कर रहे हैं। इस खोज से प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ जंग में एक बड़ी उम्मीद जगती है लेकिन इसका व्यापक व्यावसायिक प्रयोग शुरू होने में कई वर्ष लगेंगे।

खाने में लापरवाही बना सकती है बीमार

खुद को लू से बचाएं

गर्मियों में ये सब्जियां खाएं

गर्मी में खान-पान में जरा सी भी लापरवाही आपको बीमार कर सकती है क्योंकि इस मौसम में पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। ऐसे में तली-भुनी चीजें खाने से परहेज करना चाहिए। अगर आप परहेज नहीं करेंगे तो फूड प्वॉइजनिंग के भी शिकार हो सकते हैं। अगर आप गर्मियों में हीट स्ट्रोक या लू से बचना चाहते हैं तो हल्का व आसानी से पचने वाला खाना खाएं।

पेट के लिए रामबाण है लौकी

लौकी में लगभग 96 प्रतिशत पानी होता है। यानी सलाद में जो काम खीरा करता है, सब्जी में वही काम लौकी करती है। लौकी ठंडी होती है और यह हमारे लिवर को भी दुरुस्त रखती है। इसमें कैलोरी कम होती है और यह आसानी से पच जाती है। लौकी गर्मियों के मौसम में आपके पेट के लिए काफी अच्छी रहती है और पेट में गैस बनने जैसी समस्या को दूर करती है। लौकी में फाइबर होने की वजह से यह अल्सर, पाइल्स और गैस के रोगियों के लिए काफी फायदेमंद है।

96

लौकी में पानी लगभग 96 प्रतिशत होता है।

वरदान है कच्चा प्याज

गर्मियों के मौसम में प्याज आपके लिए वरदान है। प्याज में विटमिन सी, विटमिन बी-6 और मैग्नीज की मात्रा भरपूर होती है। इसके अलावा प्याज में कैल्शियम, आयरन, फॉलेट, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस और पोटैशियम होता है। प्याज में क्वैरसेटिन नामक एंटीऑक्सिडेंट भी होता है। इस मौसम में कच्चा प्याज खाने से आपको लू नहीं लगेगी इसलिए प्याज का सेवन कीजिए। सब्जी के साथ-साथ प्याज को कच्चा सलाद के साथ खा सकते हैं।

पेट की गड़बड़ी दूर करता है सीताफल

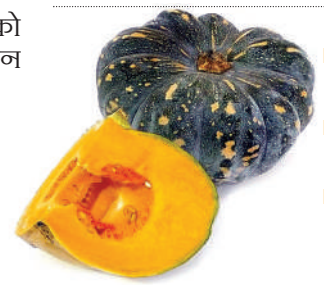

सीताफल यानी कद्दू खनिज तत्वों से भरपूर होता है। कच्चे सीताफल का रस शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालता है। एसिडिटी दूर करने और वजन कम करने में भी सीताफल बहुत फायदेमंद होता है। इसमें आयरन, मैग्नीशियम, सेलेनियम और फॉस्फोरस होता है। जिन लोगों का पेट गरमी में गड़बड़ा जाता है, उनके लिए यह बहुत अच्छा है।

पोषक तत्वों से भरपूर है करेला

करेले का स्वाद भले ही कड़वा हो, लेकिन सेहत के लिहाज से यह बहुत फायदेमंद होता है। करेला खाने के बाद आसानी से पच जाता है। करेले में फॉस्फोरस पाया जाता है जिससे कफ की शिकायत दूर होती है। करेले में प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट और विटमिन्स भी पाया जाता है।

एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर ग्रीन बीन्स

ग्रीन बीन्स ऐसी सब्जी है जिसके सेवन से शरीर को जरूरी पोषक तत्व आसानी से मिल जाते हैं। इसमें पर्याप्त मात्रा में विटमिन ए, सी, के और बी-6 पाया जाता है। यह फॉलिक ऐसिड का भी एक अच्छा स्त्रोत है। इसके अलावा इसमें कैल्शियम, सिलिकॉन, आयरन, मैगनीज, बीटा कैरोटीन, प्रोटीन, पोटैशियम और कॉपर की भी जरूरी मात्रा होती है। हरी बीन्स में पर्याप्त मात्रा में एंटीऑक्सिडेंट पाए जाते हैं जिससे इम्यून सिस्टम बेहतर बनता है।

हंसना मना है

पति-पत्नी में किसी बात पर झगड़ा हो गया। पति नाराज होकर पत्नी से बात नहीं कर रहा था। पत्नी- अब मैं 10 तक गिनूंगी.... अगर, तुम ना बोले तो मैं जहर खा लूंगी। पत्नी- एक... पति- खामोश !!! पत्नी- दो ... पति, फिर भी चुप्प!!! पत्नी- बोलो ना प्लीज!! पत्नी का रोना शुरू। पति- गिनती गिन...गिनती। पत्नी- शुक्र है, आप बोले तो। नहीं तो, मैं जहर खाने ही वाली थी।

पति : आज घर बहुत साफ दिख रहा है, बात क्या है? तुम्हारा व्हाट्सएप तो चल रहा है न? पत्नी : अरे नहीं जी, मेरा चार्जर नहीं मिल रहा था। बस खोजते-खोजते ही सफाई हो गई।

बेटा : पापा, एक छोटा सा गेट-टुगेदर रखा है स्कूल में। पिता : छोटा सा से क्या मतलब है तुम्हारा? बेटा : आप, मैं और प्रिंसिपल।

बॉस ने अपनी सेक्रेटरी से पूछा- तुम आज फिर आधे घंटे देर से आई हो, क्या तुम्हें मालूम नहीं कि यहां पर काम कितने बजे से शुरू होता है? सेक्रेटरी बोली- मालूम नहीं सर, जब भी मैं यहां आती हूं तो लोगों को काम करते हुए ही पाती हूं।

कहानी | समुद्र मंथन

जनमेजय राजा ने ऋषि वैशंपायन को समुद्रमंथन की कथा सुनाने की विनती की। उन्होंने कथा सुनाते हुए कहा, हे राजन, प्राचीनकाल में देव और दैत्यों ने समुद्रमंथन कर अमृत तथा अन्य रत्नों को निकालने का निश्चय किया। उन्होंने मंदराचल पर्वत की मथनी बनाई और वासुकी नामक सर्प की डोरी बनाकर मंथन की प्रक्रिया प्रारंभ की। देवगण सर्प की पूंछ की ओर से तथा राक्षसगण मुख की ओर से खींचने लगे। मंथन के दौरान निकले विष से सभी को कष्ट होने लगा। इसलिए महादेव ने वह विष प्राशन किया। समुद्रमंथन से देवी लक्ष्मी, कौस्तुभ मणि, पारिजातक, सुरा (दारू), चन्द्र, धन्वन्तरी, रम्भा, ऐरावत नामक सफेद हाथी, अमृत, विष, उच्चैः श्रवा नामक घोड़ा, गोमाता कामधेनु, शंख व हरिधनू ऐसे चौदह रत्न निकले। समुद्र मंथन के समय मंदराचल पर्वत नीचे की ओर जाने लगा। तब भगवान विष्णु ने कूर्मरूप धारण कर उसे उपर उठाया। उपरोक्त चौदह रत्नों का बंटवारा होते समय अमृत और सुरा के लिए दोनों पक्षों में कलह उत्पन्न हो गया। इस कलह का निवारण करने के लिए भगवान विष्णु ने देवताओं को एक पंक्ति में तथा दैत्यों को दूसरी पंक्ति में बैठने के लिए कहा और कहा कि एक स्त्री आकर सबको अमृत और सुरा परोसेगी, जिसे जो मिलेगा वही स्वीकार करना होगा। भगवान विष्णु ने मोहिनी नामक स्त्री का रूप धारण कर बंटवारा करना प्रारंभ किया। मोहिनी का रूप देखकर असुर मोहित हो गए। उस समय विष्णु ने देवताओं को अमृत और दैत्यों को मदिरा परोसी। परोसते समय राहू ने कपट से देवताओं की पंक्ति में जाकर अमृत पिया। यह देखकर चन्द्रदेव ने भगवान विष्णु को इशारा कर यह सूचित किया। भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से उसका शिरच्छेद किया। उसका मस्तक आकाश में उठा और शरीर पश्चिम समुद्र की ओर भागने लगा। यह देखकर देव और दैत्य उस शरीर को नष्ट करने का प्रयास करने लगे। भगवान शंकर ने भी अपना त्रिशूल उसके पेट में घोंपकर उसे मारने का प्रयत्न किया परन्तु राहू के पेट में अमृत होने के कारण वह शरीर नष्ट नहीं हो रहा था। तब भगवान शंकर ने म्हालसा नामक पर्वत पर राहू के गले में अंगूठा डालकर अमृत बाहर निकाला। यही अमृत बहकर समुद्र में विलीन हुआ। इस प्रवाह को 'प्रवरा नदी' के नाम से सम्बोधित करते है। यह प्रवरा नदी आगे गोदावरी नदीसे मिलकर आगे पूर्व में सागर में विलीन हुई। प्रवरा और गोदावरी के संगम पर राहू के शरीर पर मोहिनी बैठी है। उसे म्हालसा कहते हैं।

5 अंतर खोजें

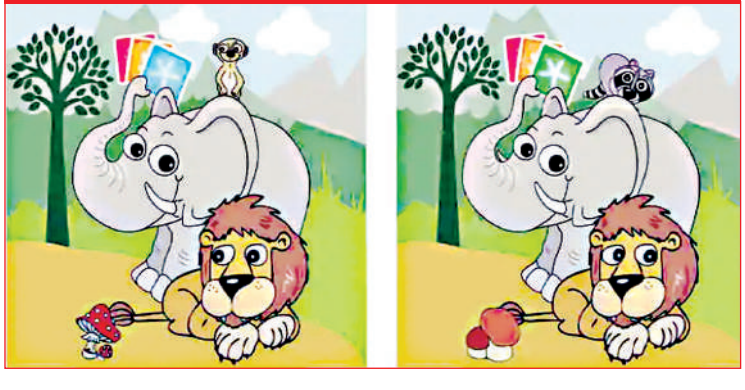

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता-पिता का साथ मिलेगा। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

वृषभ

आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। संयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

मिथुन

मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी में अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कर्क

मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। आत्मविश्वास रहेगा, परन्तु क्रोध के अतिरेक से बचें।

सिंह

स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। यात्रा के खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी आएगी। नौकरी परिवर्तन की परिस्थिति भी बन सकती हैं। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार रहेंगे।

कन्या

मन में आशा-निरशा के भाव हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। आय में वृद्धि होगी। खर्च अधिक रहेंगे। मन में शान्ति एवं प्रसन्नता के भाव रहेंगे।

तुला

आय में वृद्धि होगी। किसी मित्र का आगमन हो सकता है। नौकरी में पदोन्नति के अवसर मिल सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेंगे। तनाव से बचकर रहें।

वृश्चिक

नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मित्रों का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पारिवारिक जीवन कष्टमय रहेगा। मानसिक असन्तोष रहेगा।

धनु

मानसिक शान्ति रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मकर

आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। बातचीत में संयत रहें। कारोबार में सुधार होगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। लंबे समय से रुके हुए काम बनेंगे। वाद-विवाद से बचकर रहें।

कुम्भ

धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता-पिता का सानिध्य मिल सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

मीन

आत्मसंयत रहें। कारोबार पर ध्यान दें। परिश्रम अधिक रहेगा। धन की प्राप्ति होगी। वैचारिक मतभेद का सामना करना पड़ सकता है। खर्चों से चिंता बढ़ सकती है।

बालीवुड | मन की बात

विवादों से नहीं डरता क्योंकि मेरी नीयत साफ है: ओम राउत

निर्देशक ओम राउत ने भले अपने करियर की शुरुआत मराठी फिल्म लोकमान्य तिलक से की, मगर अपनी पहली ही फिल्म में फिल्मफेयर अवार्ड जीतने के बाद उनके लिए बॉलीवुड को राह भी आसान हो गई। इन दिनों वह चर्चा में हैं भव्य बजट और स्टारकास्ट वाली आदिपुरुष से। वाल्मीकि रामायण की स्क्रीन अडैप्टेशन आदिपुरुष को लेकर वह खासे उत्साहित हैं। उन्होंने कहा मेरे साथ दुनिया के अनगिनत लोग जुड़े हैं। हम सभी की भावना एक ही हैं। लोग भले इसे फिल्म की निगाह से देखें, मगर मेरे लिए ये जुनून है। इस धरती पर जितने भी लोग प्रभु राम को मानते हैं, उन सभी की अपेक्षाओं को पूरा करना मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। मैं उस जिम्मेदारी का प्रेशर लेने चाहूंगा न कि बड़े सुपर स्टार्स के साथ काम करने का या कमर्शल सक्सेज का। कामयाबी-नाकामी तो आती-जाती रहेगी मगर सेंटीमेंट्स हमेशा रहेंगे। मैं उन्हीं जज्बातों को चेरिश करना चाहता हूं, मैं खुद को काफी खुशकिस्मत मानता हूं कि हम लोगों को इस फिल्म पर काम करने के लिए चुना गया। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि मुझे लगता है जिस दिन संतुष्ट हो जाऊंगा, उस दिन काम बंद करके घर चला जाऊंगा। जब भी किसी माइथॉलजी या हिस्ट्री पर आधारित विषय पर फिल्म बनाई जाती है, इतिहासकार और जानकार का अपना पॉइंट ऑफ व्यू होता है, कई बार विवाद या आलोचना भी होती है, आप उसके लिए तैयार हैं?
सबसे पहले तो मैं आदिपुरुष को माइथोलॉजिकल फिल्म नहीं बल्कि हिस्टॉरिकल फिल्म कहना चाहूंगा। मेरा मानना है कि फिल्म बनाते हुए आपके मन में पवित्रता होनी चाहिए। आपकी नीयत जब सही हो, तो आपसे गलती होने की गुंजाइश कम हो जाती है। मैं विवादों से नहीं डरता।

रुबीना दिलैक ने तोड़ी संस्कारी बहू की इमेज

बॉलीवुड | तड़का

छोटे पर्दे की जानी मानी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक इन दिनों अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर खूब चर्चा में हैं। उन्होंने अपने सुपरहिट टीवी सीरियल्स के जरिए घर-घर में अपनी खास पहचान बना ली है। अपने शोज में बेशक उन्हें हमेशा ही संस्कारी बहू के अवतार में देखा जाता है, लेकिन असल जिंदगी में रुबीना ने अपनी बोल्डनेस से सभी के होश उड़ाए हैं। वह अक्सर इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी हॉट और बोल्ड फोटोज फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। बिग बॉस 14 की ट्रॉफी जीतने के बाद से ही रुबीना लगातार फैंस के बीच छाई हुई हैं। रुबीना सोशल मीडिया के जरिए अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। ऐसे में उनकी फैन फॉलोइंग लगातार लंबी होती जा रही है।

रुबीना अब एक बार फिर से अपने लेटेस्ट पोस्ट के कारण चर्चा में हैं। रुबीना ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें उन्हें थाई हाई स्लिट स्कर्ट और क्रॉप टॉप पहने देखा जा सकता है। इसके साथ अभिनेत्री ने मैचिंग श्रग पेयर किया है। हर फोटो में वह समुद्र किनारे हुस्न के जलवे बिखेर रही हैं। पोस्ट शेयर करते हुए रुबीना ने कैप्शन में लिखा, सफरनामा। अपने इस लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने बन बनाया है

और लाइट मेकअप किया है। रुबीना ने कुल अपनी 4 तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अलग-अलग पोज देकर लोगों को मदहोश कर रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह अपने पति के साथ पोज दे रही हैं। अब रुबीना की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। न सिर्फ फैंस, बल्कि तमाम सेलेब्स कमेंट कर रिएक्शन दे रहे हैं।

फैंस रुबीना की बोल्डनेस देख होश खो बैठे हैं। वहीं, लोग कमेंट्स कर उनकी तारीफें करने से भी खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। गौरतलब है कि बीते साल रुबीना बिग बॉस 14 की विनर बनी थीं, इसके बाद से ही उनके चाहने वालों की लिस्ट और लंबी हो चली गई है। वहीं उन्हें कई नए प्रोजेक्ट्स भी मिलने लगे हैं। अब वह टीवी शोज के अलावा कुछ म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं।

आलिया भट्ट नहीं हैं भारतीय

शादी के बाद आलिया भट्ट को मिलेगी भारत की नागरिकता ?

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की शादी को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। कहा जा रहा है कि दोनों इस आने वाले हफ्ते में 7 फेरे लेकर एक होने वाले हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आलिया भी अक्षय कुमार और जैक्लीन फर्नांडीज की तरह भारतीय नहीं हैं। आलिया भट्ट वो एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने बेहद कम समय में खुद को बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार कर लिया है। अपने अब तक के छोटे से करियर में उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया हैं।

बॉलीवुड सिनेमा में अपना डंका बजाने वाली आलिया के बारे में क्या आप जानते हैं कि वह भारतीय नहीं हैं। उनके पास ब्रिटिश नागरिकता है और यही कारण है कि वह भारतीय सरकार को चुनने के लिए अपना कीमती वोट भी नहीं दे पातीं। उनके पापा महेश भट्ट ने एक इंटरव्यू में बताया था कि आलिया की मां यानी सोनी राजदान ब्रिटिश मूल की हैं उनका जन्म बर्मिंघम में हुआ था। इसलिए आलिया को ब्रिटिश नागरिकता मिली है। अब लोग पूछ रहे हैं कि भारत में दोहरी नागरिकता का प्रावधान नहीं है तो क्या शादी के बाद आलिया भारतीय बन जाएंगी।

अजब-गजब | रिसर्चर आर्टिन अर्शमियां का दावा

वैज्ञानिकों ने खोजी दुनिया की सबसे पसंदीदा खुशबू

दुनिया में हजारों किस्म के फूल पाए जाते हैं और सबकी खुशबू अलग-अलग होती है लेकिन अब वैज्ञानिकों ने दुनिया की सबसे पसंदीदा सुगंध को खोज लिया है। उन्होंने बताया है कि इस सुगंध को पूरी दुनिया में लोग पसंद करते हैं। कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट के डिपार्टमेंट ऑफ क्लिनिकल न्यूरोसाइंस के रिसर्चर आर्टिन अर्शमियां ने बताया है कि दुनिया में लोग दो तरह की खुशबू को पसंद करते हैं। इसमें पहली खुशबू सांस्कृतिक तौर पर और दूसरी निजी तौर पर। सांस्कृतिक तौर पर जिस सुगंध को पसंद किया जाता है उसका चयन सामाजिक परंपराओं के आधार पर किया जाता है जबकि निजी तौर पर किसी भी खुशबू को पसंद किया जा सकता है। करंट बायोलॉजी में इसको लेकर रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। इस रिपोर्ट के बारे में आर्टिन अर्शमियां ने बताया कि दुनियाभर के लोगों द्वारा पसंद की जाने वाली सुगंध के बारे में सर्वे किया गया है।

आर्टिन अर्शमियां ने बताया है कि इस सर्वे के जरिए वह जानना चाहते थे कि सुगंध पहचानने की क्षमता क्या लोगों में एक जैसी है? यह भी जानना चाहते थे कि क्या लोगों की सुगंध को लेकर सोच, पसंद और मान्यताएं अलग-अलग हैं। उन्होंने कहा यह पता लगाने के लिए सांस्कृतिक मदद लेनी पड़ी। आर्टिन और उनकी टीम ने इस काम के लिए दुनियाभर के 235 लोगों की मदद ली। यह सभी लोग सुगंध पहचानने के एक्सपर्ट हैं। सभी लोगों से सुगंधों के मनभावन होने के आधार पर रैंकिंग देने के लिए कहा गया था। उन्होंने बताया था कि लोगों से ऐसी सुगंध खोजने के लिए कहा गया था जिसे पूरी दुनिया में पसंद किया जाता हो। इस सर्वे का परिणाम देखकर आर्टिन और उनकी टीम हैरत में पड़ गई। दुनिया में सबसे अधिक वनीला की सुगंध को पसंद किया जाता है। इसका पता रैंकिंग के आधार पर किया गया है। दुनिया के अधिकतर इलाकों में वनीला की खुशबू को लोग पसंद करते हैं। सबसे कम आइसोवैलेरिक एसिड की खुशबू को लोग पसंद करते हैं। यह सुगंध सॉय मिल्क और चीज में मिलती है। इस खुशबू को लोग नहीं पसंद करते हैं। दुनियाभर में वनीला की सुगंध को पसंद किया जाता है इसीलिए खाद्य सामग्रियों में सबसे अधिक वनीला फ्लेवर और फ्रैगरेंस का इस्तेमाल किया जाता है। जांचकर्ताओं के नंबर्स के आधार पर सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले सुगंध को अलग किया गया है। वैज्ञानिक का कहना है कि हर सुगंध के मॉलीक्यूलर स्ट्रक्चर ने इसमें मदद की है। इसको हम अनदेखा नहीं कर सकते हैं, क्योंकि यह एक तरह का जेनेटिक मेकअप है। इससे दिमाग को शांति और सुकून मिलती है। आर्टिन अर्शमियां का कहना है कि वनीला सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली सुगंध मानी जाती है।

बेहद छोटा होने के बावजूद दुनिया के सबसे ऊंचे पहाड़ से भी ऊपर उड़ सकता है ये जीव

दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत है माउंट एवरेस्ट, जिसपर फतेह करने की कई लोग तमन्ना करते हैं मगर हर किसी के बस की बात नहीं होती कि वो माउंट एवरेस्ट की मुश्किल चढ़ाई को पार कर पाएं। इंसान तो छोड़िये, जानवर यहां तक कि कई पक्षी भी उतनी उंचाई तक नहीं उड़ पाते हैं। मगर आज हम आपको ऐसे जीव के बारे में बताने जा रहे हैं जो बेहद छोटा होने के बावजूद भी ये जीव माउंट एवरेस्ट से भी ऊपर उड़ सकता है। चलिए बिना पहेलियां बुझाए आपको इस जीव के बारे में ज्यादा जानकारी देते हैं। हम जिस जीव की बात कर रहे हैं वह एक भंवरा है। जी हां, आप के गार्डन में फूलों पर मंडराने वाला भंवरा इतना भी आम नहीं है जितना आप उसे समझते हैं। भंवरे, माउंट एवरेस्ट जितनी ऊंचाई या फिर उससे भी कुछ ऊपर तक उड़ सकते हैं। बेहद दुर्लबल काया और छोटा शरीर होने के बावजूद भी भंवरे ऐसा कर पाते हैं इसलिए इसे किसी करिश्मे से कम नहीं माना जा सकता। लाइव साइंस वेबसाइट की साल 2014 की एक रिपोर्ट अनुसार एल्पाइन बंबलबी यानी एल्पाइन भंवरे बेहद ऊंचाई पर भी उड़ सकते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले के शोधकर्ताओं ने एक रिसर्च की थी जिससे वह इस नतीजे पर पहुंचे। माना जाता था कि भंवरे माउंट एवरेस्ट जितनी ऊंचाई में जिंदा नहीं रह पाएंगे क्योंकि वहां ऑक्सीजन बेहद कम होता है और हवा का दबाव भी कम होता है। वैज्ञानिक पश्चिमी चीन के एक पहाड़ पर गए जहां से उन्होंने एल्पाइन प्रजाति के 6 नर भंवरों को पकड़ा जो 10 हजार फीट से कुछ ज्यादा यानी लगभग 3 कीलोमटीर की ऊंचाई पर मौजूद थे। इन भवरों को रिसर्चर्स ने सील बॉक्स में बंद किया जिसमें हवा का दबाव और ऑक्सीजन की मात्रा वैसे ही कर दी जैसे माउंट एवरेस्ट जितनी ऊंचाई पर यानी 30,000 फीट की ऊंचाई पर होता है।

उन्होंने पाया कि भंवरों ने अपने पंख हिलाने के तरीके में परिवर्तन किया और हवा के दबाव के हिसाब से पंख को फड़फड़ाना शुरू किया जिससे वो उस कंडीशन में भी आसानी से उड़ पा रहे थे। इस शोध से ये साफ पता चला कि भंवरे आसानी से माउंट एवरेस्ट की भी ऊंचाई पर उड़ सकते हैं।

मेरठ में ट्रेन से कटकर दारोगा की मौत

» कारणों का नहीं चला पता जांच कर रही पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। अपराध शाखा में तैनात दारोगा अजय कुमार की सिटी रेलवे स्टेशन पर योगा एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर मौत हो गई। जीआरपी ने आईडी कार्ड और वर्दी से दारोगा की पहचान की और उनके स्वजन को सूचना दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शामली के ऊन निवासी अजय कुमार 1989 में पीएसी में कांस्टेबल पद पर तैनात हुए थे। 2011 में पदोन्नति होने के बाद दारोगा बन गए। उसके बाद पीएसी से सिविल पुलिस में तैनाती पा ली। अजय कुमार गाजियाबाद समेत कई जनपदों में तैनात रहे। पिछले एक साल से अजय की तैनाती अपराध शाखा की विवेचना विंग में थी। अजय का परिवार परतापुर थाना क्षेत्र के पंचवटी कालोनी में रहता है। पत्नी रूमा ने बताया कि रोजाना की तरह सुबह दस बजे वे घर से ड्यूटी पर गए थे। उसके बाद उनकी मौत की सूचना जीआरपी पुलिस की तरफ से दी गई है। शाम को योगा एक्सप्रेस सिटी रेलवे स्टेशन पर पहुंची। वहीं पर प्लेटफार्म नंबर दो के ट्रैक को पार कर रहे दारोगा ट्रेन के नीचे आ गए। एसपी सिटी विनीत भटनागर ने कहा कि जांच में सामने आया कि दारोगा ने योगा एक्सप्रेस के सामने कूद कर जान दी है। हालांकि परिवार के लोगों से बातचीत कर ही मामले की जानकारी हो पाएगी।

बाराबंकी : पिकअप को डीसीएम ने मारी टक्कर, चालक सहित तीन की मौत

» ढाबे पर पिकअप से उतार रहे थे बर्फ, डीसीएम चालक फरार

» पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। हाईवे पर एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर दिखा। तेज रफ्तार डीसीएम ने हाईवे के किनारे खड़े पिकअप में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप चालक सहित तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा है। वहीं डीसीएम को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

पूरा मामला जनपद बाराबंकी के रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर मोहम्मदपुर कीरत के निकट का है। आज करीब साढ़े छह बजे पिकअप से प्रधान ढाबे पर बर्फ उतारी जा रही थी। इसी बीच बाराबंकी की ओर से आई डीसीएम ने पिकअप को टक्कर मार दी जिससे पिकअप चालक पूरे पनई के राजेन्द्र, थोर्थिया के 14 वर्षीय दुर्गेश पुत्र राधेश्याम और 12 वर्षीय जय नारायण पुत्र राजित राम की मौके पर मौत हो गई। इस भीषण हादसे से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना रामसनेहीघाट पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा है। वहीं दुर्घटना करने वाले डीसीएम को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। डीसीएम चालक फरार है और पुलिस उसको पकड़ने के दबिश दे रही है। दुर्घटना में मरने वाले लोग स्थानीय निवासी बताए जा रहे हैं जो बर्फ का काम करते थे और बर्फ लेकर आए थे। सभी हाईवे किनारे दुकान पर बर्फ उतार रहे थे। तभी तेज रफ्तार के कहर ने उनकी जिंदगियां निगल ली। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

ट्रैक्टर-ट्राली चोरी करके भाग रहा युवक हादसे का शिकार

आगरा। जगदीशपुरा क्षेत्र के सदरवन से ट्रैक्टर-ट्राली चोरी करके भाग रहा युवक हादसे का शिकार हो गया। अछनेरा क्षेत्र में एक गांव के पास नाले में ट्रैक्टर-ट्राली पलट गया। इसके नीचे दबने से युवक की मौत हो गई। युवक की शिनाख्त हो गई है।

अछनेरा क्षेत्र में रैपुरा अहीर-अरसैना रोड पर एक नाले में सोमवार रात दस बजे एक ट्रैक्टर-ट्राली पलट गया। गांव के लोगों को जानकारी हुई तो बड़ी संख्या में वहां पहुंच गए। ट्रैक्टर को ऊपर खींचकर युवक को निकाला गया। ट्रैक्टर के नीचे दबे रहने से युवक की सांसें थम चुकी थी। ग्रामीणों ने पुलिस को जानकारी दी। एसओ अछनेरा अनुराग शर्मा फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। आसपास के लोगों से उसके बारे में जानकारी की। आसपास के गांव के लोग वहां पहुंचे। तब उसकी शिनाख्त रैपुरा अहीर निवासी 31 वर्षीय सोनू के रूप में हुई। सीओ अछनेरा महेश कुमार ने बताया कि जिस ट्रैक्टर-ट्राली के नीचे दबने ये युवक की मौत हुई है, वह रात में ही सदरवन गांव से चोरी हुआ था। ट्रैक्टर मालिक सदरवन निवासी मिक्की वर्मा हैं। उनके बेटे टिंचू ने सोमवार शाम 7.30 बजे ट्रैक्टर चोरी की सूचना यूपी 112 पर काल करके दी थी। इसके बाद बिचपुरी चौकी पर तहरीर भी दी थी। टिंचू ने बताया कि उसके पिता घर का कुछ सामान ट्रैक्टर-ट्राली से लेकर आए थे। आशंका है कि युवक गांव से ट्रैक्टर चोरी करके स्पीड में जा रहा था। नाले के पास पुलिया थी। यहां अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर-ट्राली नीचे पलट गई।

तकनीकी अधिकारी का शव कार में मिला, पति फरार

» सीडीआरआई में कार्यरत थीं वर्षा सिंह, पुलिस जांच में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जानकीपुरम स्थित केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई) के आवासीय परिसर में सोमवार रात संदिग्ध हालात में तकनीकी अधिकारी वर्षा सिंह का शव कार के अंदर मिला। पुलिस को सूचना देने के बाद उनके पति फरार हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वर्षा सिंह सीडीआरआई के टाक्सिकोलॉजी और न्यूरोसाइंस विभाग में तकनीकी अधिकारी के पद पर कार्यरत थीं। वह पति विशेश्वर सिंह और दो साल के बेटे के साथ कैंपस स्थित टाइप-सी के 29 नंबर फ्लैट में रहती थीं। पति एलआईसी में कार्यरत हैं। सोमवार को देर शाम विशेश्वर ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी कि उनकी पत्नी ने फांसी लगा ली और मौत हो गई है। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर जानकीपुरम कुलदीप सिंह गौर और पुलिसकर्मी पहुंचे तो परिसर में खड़ी कार में वर्षा सिंह का शव पीछे की सीट पर पड़ा मिला। पुलिस ने विशेश्वर को फोन किया तो वह स्विच ऑफ मिला। इसके बाद घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों और फोरेंसिक टीम को दी गई। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसीपी अलीगंज अली अब्बास ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। विशेश्वर एलआईसी में नौकरी करते थे, लेकिन आस-पड़ोस के लोगों ने बताया कि कई माह से विशेश्वर कहीं जा नहीं रहे थे। वह दिनभर घर में ही रहते थे। एसीपी ने बताया कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटना के बाद वर्षा का दो साल का बच्चा घर के अंदर ही कमरे में पुलिस को रोता मिला। उसे पड़ोसियों ने ले लिया। अब बच्चा पड़ोसियों के पास है।

फोटो :4 पीएम

शूटिंग की तैयारी अपने नए वीडियो एल्बम की शूटिंग के लिए लखनऊ पहुंचे बॉलीवुड कोरियोग्राफर इंदर शर्मा, शाहरुख के प्रशंसक विशारुख, मॉडल रुचि खान और आनंद गुप्ता ने मीडिया से बात की।

ननद की जगह परीक्षा दे रही थी भाभी, पकड़ी गयी

» छात्रा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट की सोमवार को द्वितीय पाली में समाज शास्त्र की परीक्षा के दौरान स्वामी सदानंद राजकीय बालिका इंटर कॉलेज किशनी पर एक महिला परीक्षार्थी को दूसरे की जगह परीक्षा देते पकड़ा गया। पकड़ी गई महिला छात्रा की भाभी है।

द्वितीय पाली में स्वामी सदानंद राजकीय बालिका इंटर कॉलेज किशनी पर कक्ष संख्या दो के कक्ष निरीक्षक निमित राय ने केंद्र व्यवस्थापक को सूचना दी कि उनके कक्ष में समाज शास्त्र की छात्रा निर्मला पुत्री मलिखान सिंह के स्थान पर परीक्षा दे रही महिला का फोटो मिलान नहीं हो रहा है। केंद्र व्यवस्थापक ने आंतरिक सचल दल को जांच के लिए भेजा। पूछताछ में उसने अपना नाम शिवानी पत्नी नरेंद्र कुमार निवासी नगला मूंज इटावा बताया। शिवानी को केंद्र पर तैनात पुलिस ने थाना पुलिस को सौंप दिया है। जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि छात्रा के विरुद्ध थाना किशनी में तहरीर दी है।

सपा विधायक को एक और झटका पेट्रोल पंप की एनओसी भी रद्द

» डीएम ने की कार्रवाई, सीलिंग की हो रही जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। सपा विधायक शहजिल इस्लाम के परसाखेड़ा में पेट्रोल पंप की एनओसी भी सोमवार को डीएम ने निरस्त कर दी। प्रशासन के मुताबिक जांच में कई तथ्यों को छिपाकर पेट्रोल पंप चलाने की पुष्टि होने के बाद यह कार्रवाई की गई है। यह जांच अभी जारी है कि पेट्रोल पंप सीलिंग की जमीन पर बनाया गया था या नहीं।

चार दिन पहले बीडीए ने परसाखेड़ा में उनका पेट्रोल पंप नक्शा स्वीकृत न कराने की वजह से गिरा दिया था। बीडीए उपाध्यक्ष ने इसके साथ डीएम को पत्र लिखकर पेट्रोल पंप की एनओसी की शर्तों और उनके अनुपालन की जांच कराने को कहा था। बीडीए उपाध्यक्ष ने इस पत्र में उल्लेख किया था कि शहजिल इस्लाम ने 2019 में परसाखेड़ा में पेट्रोल पंप के लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। बीडीए ने इसकी एनओसी नहीं दी थी। पेट्रोल पंप का नक्शा भी स्वीकृत नहीं किया, फिर भी दूसरे विभागों से सांठगांठ कर एनओसी लेकर जुलाई 2020 से पेट्रोल पंप शुरू कर दिया गया। डीएम ने इसके बाद पेट्रोल पंप की फाइल तलब करने के साथ एनओसी देने वाले विभागों से भी जवाब मांगा था। रिपोर्ट डीएम ने एनओसी को निरस्त कर दिया।

जेएनयू में खाने पर विवाद साजिश या पाखंड!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी में वामपंथी छात्र संगठन आईसा और हिंदूवादी छात्र संगठन एबीवीपी ने एक दूसरे पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। छात्र संगठनों के बीच ये झगड़ा यूनिवर्सिटी मेस में खाने को लेकर हुआ है। वामपंथी छात्र संगठनों का आरोप है कि एबीवीपी के कार्यकर्ता मेस में मांसाहारी भोजन का विरोध कर रहे थे। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सीपी राय, केपी मलिक, डॉ. राकेश पाठक, अरूणा सिंह, सुशील दुबे, सतीश चंद्र यादव और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

अरूणा सिंह ने कहा जेएनयू की ये सोची समझी साजिश है, जानबूझकर झगड़ा किया गया। संविधान हमें खाने पीने की आजादी देता है। इसकी जितनी निंदा की जाए, कम है। केपी मलिक ने कहा पिछले कुछ सालों से जेएनयू की स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है। यहां के कुछ छात्र राजनीति में इनवाल्व है तो कुछ को इस्तेमाल किया जा रहा है। सियासत को चमकाने के लिए यह सब चीजें की जा रही है। सुशील दुबे ने कहा वहां रोजाना खाने का सिस्टम है। अगर आपत्ति थी तो बताते कि आज हवन होगा तो आज वाला मीनू कल बन जाएगा। इस तरह झगड़ा करना राजनीति ही है। कम्युनिस्ट सिस्टम बंगाल से ही खत्म हो गया है तो कल्चर बदलें। संस्थान में पढ़े, शिक्षा पर फोकस करें, राजनीति और इन सब चीजों को बढ़ावा न दें। सीपी राय ने कहा देश की सर्वोच्च संस्था है जेएनयू। कुछ संस्थाएं ऐसी होती है जो चिंगारी फेंकने के बाद देखते हैं कि बड़ी आग लगाई जा सकती है या नहीं। डॉ. राकेश पाठक ने कहा खाने-पानी की आजादी देता है। पहनने-ओढ़ने की भी, सारी आजादी देता है। सारे सलास्टर हाऊस के मालिक हिंदू हैं। यह पाखंड तो हैं। सतीश चंद यादव ने भी परिचर्चा में अपने विचार रखे।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

नमस्कार! मैं परिवहन मंत्री हूं, यात्रियों बस में कोई असुविधा तो नहीं?

» दयाशंकर सिंह ने बसों का निरीक्षण कर यात्रियों से लिया फीडबैक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने प्रयागराज से वाराणसी जा रही यूपी परिवहन विभाग के बस का निरीक्षण कर यात्रियों से सुविधा पर फीडबैक लिया। यह ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और लोग खिंचाई कर रहे हैं कि नमस्कार... नमस्कार। दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार का कामकाज शुरू हो गया है। सभी मंत्रियों ने अपने अगले 100 दिनों का खाका भी तैयार कर लिया है।

जिसका प्रेजेंटेशन वो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी दे चुके हैं। वहीं सभी मंत्री अपनी-अपनी तरह से व्यवस्थाओं का जायजा भी ले रहे। इसी क्रम में आज योगी सरकार में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह का नाम भी जुड़ गया है, जिन्होंने प्रयागराज से वाराणसी जा रही एक बस का औचक निरीक्षण किया। साथ ही यात्रियों से उनका फीडबैक भी लिया। दयाशंकर सिंह ने एक वीडियो ट्वीट करते हुए जानकारी दी कि आज प्रयागराज से वाराणसी मार्ग पर परिवहन निगम की बसों का औचक निरीक्षण किया। वहीं ट्वीट किए गए वीडियो में वो कहते नजर आ रहे हैं कि नमस्कार! मैं परिवहन मंत्री हूं... कोई असुविधा तो नहीं आप लोगों को, सब ठीक है? सबके टिकट कटे हैं न? ये अनुबंधित है? इस तरह के सवाल किए। उसके बाद, उन्होंने कंडक्टर से टिकट गिनवाए और बस में मौजूद लोगों को भी जोड़ा। इस दौरान मंत्रीजी बस में खड़े रहे। वहीं कंडक्टर बैठा रहा। मंत्रीजी बोले- गंदगी तो नहीं रहती बस में, कंडक्टर बोला, नहीं। परिवहन मंत्री ने वहां मौजूद लोगों से कहा कि जिन रूटों पर अभी तक बसें नहीं चली है, उन पर बसें चलाई जाएंगी। बसें समय से चलें और समय से अपने गंतव्य स्थलों पर पहुंचे, जिससे यात्रियों को सुविधा मिल सके। गौरतलब है कि दयाशंकर सिंह बलिया जिले की नगर विधानसभा सीट से विधायक हैं और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष भी हैं।

कंडक्टर खड़ा तक नहीं हुआ मंत्री के आगे

औचक निरीक्षण में परिवहन मंत्री जब बस में चढ़े तो उनको देख कंडक्टर खड़ा तक नहीं हुआ। यही नहीं, उनके सारे सवालों के जवाब बेधड़क देता रहा। अंत में मंत्री बोले कि कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए यात्रियों को, कंडक्टर बोला, जी सर। दयाशंकर ने बस के कंडक्टर व ड्राइवर के वर्दी न पहनने पर सवाल पूछते हुए कहा कि आप लोगों की वर्दी कहां है? अगली बार ऐसी गलती न हो। वहीं एक बुजुर्ग ने उनसे बस को मेंटेन करने की सलाह दी।

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती फिर नजरबंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को प्रशासन ने एहतियात के तौर पर उनके घर में एक बार फिर नजरबंद कर दिया है। महबूबा मुफ्ती ने इस नजरबंदी पर एतराज व्यक्त करते हुए कहा कि मैं आज शोपियां में उस कश्मीर हिंदू परिवार के पास अपनी सांत्वना व्यक्त करने जाना चाहती थी, जिस पर बीते सप्ताह हमला हुआ था। भारत सरकार जानबूझकर मुख्यधारा से जुड़े कश्मीरियों और कश्मीरी मुस्लिमों को कश्मीरी हिंदुओं के पलायन के लिए जिम्मेदार ठहराने का दुष्प्रचार अभियान चलाए हुए है।

केंद्र सरकार यह नहीं चाहती कि उसके इस दुष्प्रचार की पोल खुले। आपको बता दें कि महबूबा मुफ्ती जिस कश्मीरी पंडित परिवार से मिलने के लिए शोपियां जा रही थीं वह आतंकी हमले में घायल हुए दवा विक्रेता बाल कृष्ण उर्फ सोनू का है। गत 4 अप्रैल को शाम 7:45 बजे शोपियां के चोटीगाम हरमेन इलाके में आतंकवादियों ने बाल कृष्ण पर उस समय गोलियां बरसाई जब वह अपने घर के बाहर खड़े हुए थे। आतंकवादियों ने उस पर तीन गोलियां चलाई और फिर वहां से फरार हो गए।

फोटो:4 पीएम

प्रभात फेरी खालसा पंथ की स्थापना दिवस पर नाका हिंडोला गुरुद्वारे से निकाली गई प्रभात फेरी।

भाजपा नेता किरीट सोमैया पुत्र समेत फरार!

» आईएनएस विक्रांत चंदा अभियान में धोखाधड़ी का है आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। क्या भाजपा नेता किरीट सोमैया व उनके पुत्र नील सोमैया फरार हो गए हैं? महाराष्ट्र के गृह विभाग की मानें तो यह सही है। विभाग का कहना है कि पुलिस केस दर्ज होने के बाद से दोनों मिल नहीं रहे हैं। नौसेना से रिटायर हो चुके आईएनएस विक्रांत को बचाने के लिए चंदा जुटाने व उसके कथित धांधली को लेकर मुंबई पुलिस ने सोमैया पिता-पुत्र के खिलाफ हाल ही में धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

यह केस एक पूर्व सैन्यकर्मी व अन्य ने दर्ज कराया है। इससे पूर्व शिवसेना नेता संजय राउत ने आरोप लगाया था कि सोमैया ने इस देशव्यापी चंदा अभियान में 57 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। इस चंदा अभियान का मकसद नौसेना के युद्धपोत विक्रांत को संग्रहालय का रूप देने व उसे भंगार बनाने से बचाना था।

राउत का आरोप है कि सेव विक्रांत अभियान के अगुआ सोमैया थे। जुटाया गया 57 करोड़ रुपये से ज्यादा का चंदा सरकारी खजाने में जमा नहीं कराया गया। मामले में सोमैया पिता-पुत्र को जेल जाना पड़ेगा। उधर पूर्व सांसद सोमैया ने इस मामले में एक वीडियो में किसी घोटाले से साफ इनकार करते हुए कहा है कि विक्रांत को बचाने के अभियान में एक रुपये की भी हेरोफेरी नहीं हुई है। आईएनएस विक्रांत ने 1971 की भारत पाक जंग में अहम भूमिका निभाई थी। बहरहाल शिवसेना/भाजपा के बीच जारी सियासी व कानूनी दांवपेच में सोमैया उलझ गए हैं। उन्हें पुलिस या अदालत के समक्ष अपना पक्ष स्पष्ट रूप से रखना होगा। इसके बाद ही धोखाधड़ी के आरोपों की सच्चाई सामने आ सकेगी।

फोटो: 4पीएम

माल्यार्पण स्वर्गीय लालजी टंडन की जयंती के अवसर पर राजधानी लखनऊ में हजरतगंज स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंचे मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मेयर व आशुतोष टंडन।

यूपी में अब ट्वीट कर पुलिस बताएगी सत्यापन की स्थिति

» डीजीपी की सोशल मीडिया सेल की खास पहल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आपके पासपोर्ट का सत्यापन हुआ है अथवा नहीं। चरित्र प्रमाणपत्र बनवाने व एफआईआर दर्ज कराने जैसे प्रकरणों में भी अब लोग ट्वीट कर पुलिस से सही जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। डीजीपी मुकुल गोयल के निर्देश पर सोशल मीडिया मानीटरिंग सेल ने फीडबैक प्रणाली की शुरूआत की है। सोशल मीडिया सेल के प्रभारी एएसपी राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत अभी एफआईआर दर्ज किये जाने, चरित्र प्रमाणपत्र बनाये जाने व पासपोर्ट सत्यापन कराये जाने जैसे प्रकरणों में जिला पुलिस के स्तर से किये जा रहे निस्तारण की गुणवत्ता की जांच के लिए यह पहल की गई है। जिसमें शिकायतकर्ता के ट्वीट पर वर्तमान स्थिति को फीडबैक के तौर पर ट्वीट किया जाएगा। अब तक ऐसे मामलों में शिकायतकर्ता के ट्वीट को दोबारा चेक करके उचित निस्तारण से जुड़ी जानकारी जिला पुलिस द्वारा फिर से ट्वीट किए जाने की कोई व्यवस्था नहीं थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।